NEW HORIZON GURUKUL

ग्रीष्मकालीन गृहकार्य २०१३

कक्षा : दसवीं (२०१३–२०१४)

हिन्दी (द्वितीय भाषा)

ईश्वर को शत-शत प्रणाम

लंबे इंतज़ार के बाद आखिर हमें ग्रीष्मावकाश तो मिला

अब तो मैं अपने मन की ही करूँगा क्योंकि दो महिने बाद फिर मम्मी-पापा का ज़ोर चलने वाला है । खैर अभी तो मस्ती कर लूँ ।

अरे! हाँ याद आया हमें इन छुट्टियों में श्रीनगर घूमने जाना है । वाह! अब तो मैं एक तीर से दो शिकार करूँगा । हमें ग्रीष्मकालीन गृहकार्य मिला है ।

१. किसी एक पर्यटक स्थल का वर्णन अपने शब्दों में करें ।

वाह! एक काम तो मेरे श्रीनगर ने कर दिया। श्रीनगर को यूँ ही धरती का स्वर्ग नहीं कहा जाता। यहाँ की हसीन वादियों ने तो मेरा मन मोह लिया है। मैं तो बेकार ही दो महिने के बाद की बात सोच रहा था। दो महिने बाद मैं तरोताज़ा होकर पुनः अपनी पढ़ाई में लग जाऊँगा। अब मुझे किसी बात का भय नहीं है।

"भय से ही दुख आते हैं, भय से ही मृत्यु होती है
और भय से ही बुराइयाँ उत्पन्न होती हैं।"

स्वामी विवेकानंद

अब करें शिक्षक की बात

गद्यांश पढ़कर उनका उत्तर देंगे साथ ही साथ

२. जब मनुष्य जंगली था, वनमानुष जैसा, उसे नाखून की ज़रूरत थी। उनके जीवन–रक्षा के लिए नाखून बहुत जरूरी थे। असल में वही उनके अस्त्र थे दाँत भी थे, पर नाखून के बाद ही उनका स्थान था। उन दिनों उन्हें जूझना पड़ता था, नाखून उनके लिए आवश्यक अंग था। फिर धीरे–धीरे वह अपने अंग से बाहर की वस्तुओं का सहारा लेने लगा। पत्थर के ढेले और पेड़ की डालें काम में लाने लगा। मनुष्य और आगे बढ़ा। उसने धातु के हथियार बनाए। जिनके पास लोहे के अस्त्र–शस्त्र थे, वे विजयी हुए। इतिहास आगे बढ़ा। पलीते वाली बंदूकों ने, कारतूसों ने, तोपों ने, बमों ने, बमवर्षक वायुयानों ने इतिहास को किस कीचड़–भरे घाट तक घसीटा है यह सबको मालूम है। नख–धर मनुष्य अब एटम–बम पर भरोसा करके आगे की ओर चल पड़ा है। पर उसके नाखून अब भी बढ़ रहे हैं। अब भी प्रकृति मनुष्य को उसके भीतर वाले अस्त्र से वंचित नहीं कर रही है। अब भी वह याद दिलाती है कि तुम्हारे नाखून को भुलाया नहीं जा सकता। तुम वही लाख वर्ष पहले के नखदंतावली जीव हो–पशु के साथ एक ही सतह पर विचरने वाले और चरने वाले।

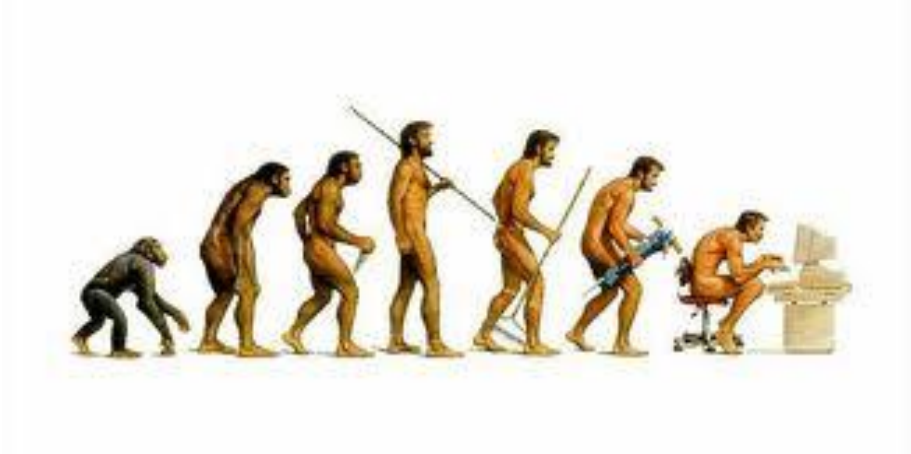

क. मनुष्य को नाखून क्यों जरूरी थे ?

ख. कुछ समय बाद मनुष्य किन बाहरी चीजों का सहारा लेने लगा ?

ग. मनुष्य अब किस पर भरोसा करके आगे की ओर चल पड़ा है ?

घ. प्रकृति मनुष्य को कौन–से अस्त्र से वंचित नहीं कर रही है ?

च. लेखक ने मनुष्य को कैसा जीव बताया है ?

छ. किसने इतिहास को कीचड़ भरे घाट तक घसीटा है ?

३.

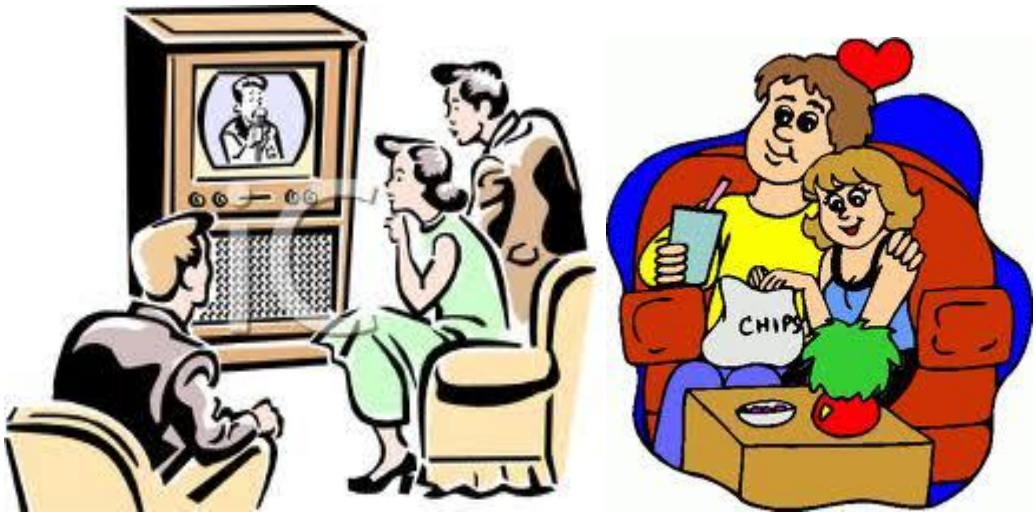

इस तस्वीर के आधार पर ८० से १०० शब्दों का अनुच्छेद तैयार करें ।

४.

भगवाना की पत्नी और उसका परिवार

भगवाना की मृत्यु के बाद भगवाना की माँ

समाज के ठेकेदार

‘दुःख का अधिकार’ पाठ के आधार पर इस तस्वीर की सहायता से संवाद लेखन तैयार करें ।

५. राजस्थान की पृष्ठभूमि पर आधारित कोई लोकगीत या कहानी लिखिए–

६.

बाँस के खेतों की शांति

न फूलों की बगिया

न फलों की डलिया

और न ही हरे–भरे जंगल

फिर भी ये बाँस हैं हरित क्रांति !!!!!!!!!!!!!!

अब अपनी कविता तैयार करो

७.

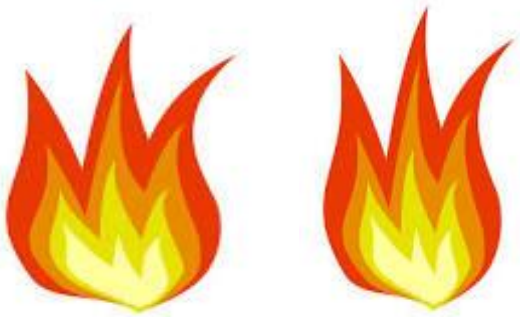

आग अग्नि बस पगड़ी

इन सारे शब्दों में आग (तद्भव), अग्नि (तत्सम), बस (विदेशी) और पगड़ी (देशज) शब्द हैं

अब आप अपने आसपास नज़र दौड़ाते हुए दस–दस तत्सम , तद्भव , देशज और विदेशी शब्द चित्र सहित तैयार कीजिए ।

८. नीचे दिए गए मटके में विकारी और अविकारी शब्दों को लिखिए–

वाह! लेकिन , ताजमहल , लड़का , बुढ़ापा , और , अरे! ऊपर , परंतु , अथवा , बिना , के साथ , से पहले , मैं , उसका , परिवार , गया , चरना , जोर से , जल्दी–जल्दी , के सामने , मोटा , तोहफा , मुंबई , साड़ी , अंदर , सामने , इसलिए , चाचा नेहरू , पढ़ाकर , बस , सिखाना , काला

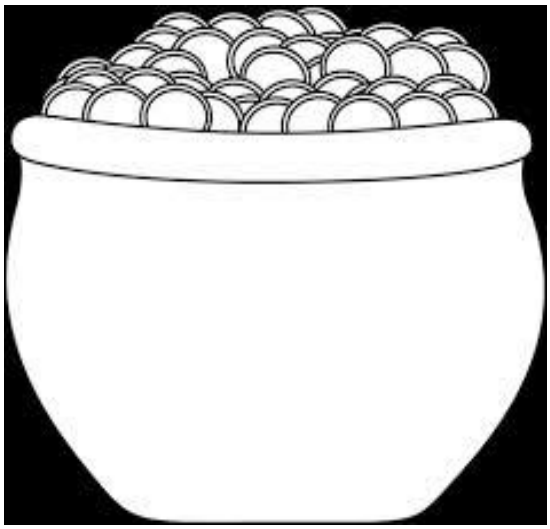

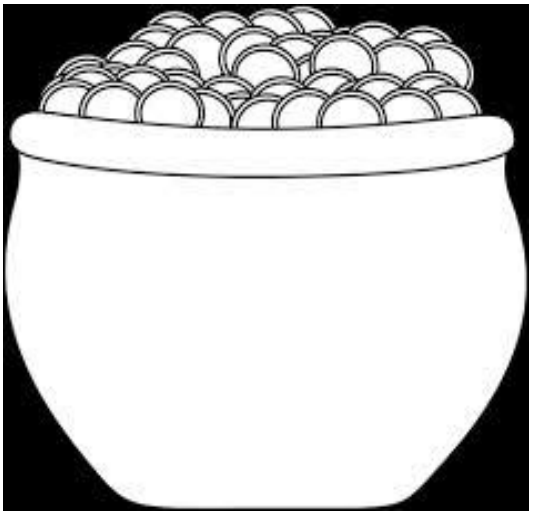

९. सोचो समझो और बताओ ???????

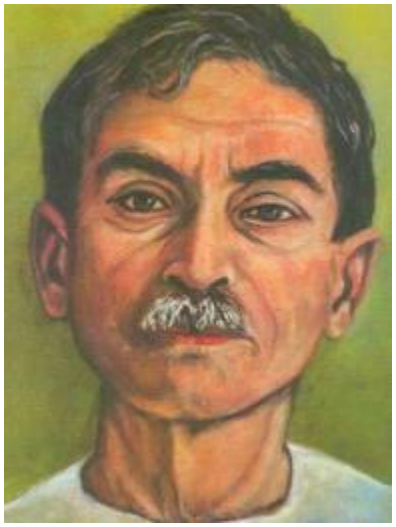

कौन है जिसे उपन्यास सम्राट के नाम से जाना जाता है ??????

तस्वीर को देखकर अनुमान लगाओ और इनकी जीवनी तैयार करो ।

इन्होंने बड़े घर की बेटी , बड़े भाई साहब और गोदान जैसे उपन्यास की रचना की है ।

१०. कबीरदास की साखी के अनुसार हमें कैसी वाणी बोलनी चाहिए । उदाहरण सहित अपने विचार लिखिए ।

११. निंदक को सामने रखने पर होने वाले लाभ और हानि पर अपने विचार व्यक्त करें ।

१२. कबीर ने भगवान की खोज का विरोध क्यों किया हैं इस पर आधारित कवि का संदेश साखी संख्या 2 के आधार पर लिखिए ।